विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 10-01-2021

वर्ग षष्ठ शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

अनुवाद कीजिए

विवेक आज घर जायेगा। -- विवेकः अद्य गृहं गमिष्यसि ।

सदाचार से विश्वास बढता है। -- सदाचारेण विश्वासं वर्धते ।

वह क्यों लज्जित होता है? - सः किमर्थम्लज्जते ?

हम दोनों ने आज चलचित्र देखा। -- आवां अद्य चलचित्रम् अपश्याव।

हम दोनों कक्षा में अपना पाठ पढ़ेंगे। -- आवां कक्षायाम् स्व पाठम पठिष्यावः ।

वह घर गई। -- सा गृहं अगच्छ्त्।

सन्तोष उत्तम सुख है। -- संतोषः उत्तमं सुखः अस्ति ।

पेड़ से पत्ते गिरते है। -- वृक्षात् पत्राणि पतन्ति ।

मै वाराणसी जाऊंगा। -- अहं वाराणासीं गमिष्यामि ।

मुझे घर जाना चाहिये। -- अहं गृहं गच्छेयम् ।

यह राम की किताब है। -- इदं रामस्य पुस्तकम् अस्ति ।

हम सब पढ़ते हैं। -- वयं पठामः ।

सभी छात्र पत्र लिखेंगे। -- सर्वे छात्राः पत्रं लिखिष्यन्ति ।

मै विद्यालय जाऊंगा। -- अहं विद्यालयं गमिष्यामि ।

प्रयाग में गंगा -यमुना का संगम है। -- प्रयागे गंगायमुनयोः संगमः अस्ति ।

हम सब भारत के नागरिक हैं। -- वयं भारतस्य नागरिकाः सन्ति ।

वाराणसी गंगा के पावन तट पर स्थित है। -- वाराणसी गंगायाः पावनतटे स्थितः अस्ति।

वह आ गया। -- सः आगच्छत्।

तुम पुस्तक पढ़ो। -- त्वं पुस्तकं पठ ।

हम सब भारत के नागरिक हैं । -- वयं भारतस्य नागरिकाः सन्ति ।

देशभक्त निर्भीक होते हैं । -- देशभक्ताः निर्भीकाः भवन्ति ।